विशेष केंद्रीय सहाय्य अंतर्गत सन २०१६-१७ मंजूर करीता Integrated Agriculture Development Program for **IFR** beneficiaries या प्रकल्पांतर्गत जिल्हा-धुळे या तालुक्यातील कायद्याद्वारे जिमनी प्राप्त असणाऱ्या ५० आदिवासी शेतकऱ्यांना ९५ टक्के अनुदानावर ०.२० आर क्षेत्रावर शेडनेट उभारण्यासाठी अर्थसहाय्य देणे" या योजनेच्या मार्गदर्शक तत्वांना मंजूरी देणेबाबत

महाराष्ट्र शासन आदिवासी विकास विभाग शासन निर्णय क्रमांकः केंद्रीय-२०२१/प्र.क्र. ५३/का-१९ मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२ तारीख: ९/०७/२०२१

संदर्भ-

- १. जनजाती कार्य मंत्रालय, नवी दिल्ली यांचे पत्र क्र. ११००५/४(१४)/२०१६-Grants दि. १/३/२०१७
- २. जनजाती कार्य मंत्रालय, नवी दिल्ली यांचे पत्र क्र.F.No.११०१/०९(१३)/२०१६-TSP, दि. २१/३/२०१७
- ३.शासन निर्णय क्रमांक: केंद्रीय २०१६/प्र.क्र. ६४/का-१९, दि. २१/०३/२०१७
- **४.** आयुक्त, आदिवासी विकास यांचे पत्र क्र. केंद्रीय योजना २०२१/प्र.क्र. संकीर्ण/का.८(५)/२४१९, दि. २२/४/२०२१

प्रस्तावना -

केंद्र शासनाकडून दरवर्षी विशेष केंद्रीय सहाय्य, भारतीय संविधानाच्या अनुच्छेद २७५(१) व आदिम जमाती विकास कार्यक्रम या योजना अंतर्गत राज्य शासनास अनुदान प्रदान होत असते. या योजनाअंतर्गत सन २०१६-१७ मध्ये प्राप्त होणा-या अनुदानासाठी मा.मुख्य सचिव यांच्या अध्यक्षतेखालील कार्यकारी समितीच्या मान्यतेने केंद्र शासनास प्रस्ताव सादर करण्यात आले. सदर प्रस्तावांमध्ये "Integrated Agriculture Development Program for IFR beneficiaries" या प्रकल्पाचा समावेश होता. वनपट्टे धारक आदिवासी शेतक-यांना प्राप्त जमीनींच्या एकात्मिक विकासाद्वारे त्यांच्या कुटूंबांचा आर्थिकस्तर उंचावून त्यांचे होणारे स्थलांतराचे प्रमाण कमी करणे व त्यांचे जीवनमान उंचावणे हा उद्देश सदर प्रकल्पाचा आहे.

२. जनजाती कार्य मंत्रालयाने सन २०१६-१७ करिता दि. ०८/०२/२०१७ रोजी आयोजित केलेल्या Project Appraisal Committee (PAC) बैठकीमध्ये " सन २०१६-१७ करिता विशेष केंद्रीय सहाय्य अंतर्गत Integrated Agriculture Development Program for IFR beneficiaries हा रु. ३५००.०० लक्ष चा प्रकल्प मंजूर करण्यात आला आहे. वनहक्क कायद्याद्वारे जिमनी प्राप्त असणाऱ्या आदिवासी शेतकऱ्यांच्या जिमनीत संरक्षित शेती पध्दतीचा अवलंब करुन उच्च दर्जाचे व निर्यातक्षम उत्पादनाद्वारे शेतक-यांच्या उत्पन्नात वाढ करून त्यांचा आर्थिकस्तर उंचावणे या उद्देशाने उक्त मंजूर प्रकल्पांतर्गत धुळे जिल्ह्यातील शिरपूर तालुक्यातील ५० वनपट्टे धारक आदिवासी शेतक-यांना प्रती शेतकरी ०.२० आर क्षेत्रावर शेडनेट उभारणी करण्याचा प्रस्ताव आयुक्त आदिवासी विकास यांनी दि. २२/४/२०२१ रोजीच्या उपरोक्त पत्रान्वये शासनास सादर केला आहे. सदर प्रस्तावांतर्गत शिरपूर तालुक्यातील वनपट्टे धारक ५० आदिवासी शेतक-यांना प्रति शेतकरी ०.२० आर क्षेत्रावर

शासन निर्णय क्रमांकः केंद्रीय-२०२१/प्र.क्र. ५३/का-१९

शेड नेट उभारणी करिता ५ % लाभार्थी हिस्सा रु. ८१,६००/- व ९५ % अनुदान रु. १५,५०,४००/- असा प्रति लाभार्थी एकूण रु. १६,३२,०००/- खर्च प्रस्तावित केला आहे. त्यानुसार ५० लाभार्थ्यांकरिता ९५ % अनुदानासाठी रु. ७,७५,२०,०००/- इतक्या निधीच्या योजनेच्या अंमलबजावणीच्या अनुषंगाने मार्गदर्शक सूचनांना मंजुरी देण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती.

शासन निर्णय-

वनहक्क कायद्याद्वारे जिमनी प्राप्त असणाऱ्या आदिवासी शेतकऱ्यांच्या जिमनीत संरक्षित शेती पध्दतीचा अवलंब करून उच्च दर्जाचे व निर्यातक्षम कृषि उत्पादन घेवून शेतक-यांच्या उत्पन्नात वाढ करून त्यांचा आर्थिकस्तर उंचावणे या दृष्टिकोनातून विशेष केंद्रीय सहाय्य अंतर्गत सन २०१६-१७ करीता मंजूर Integrated Agriculture Development Program for IFR beneficiaries या प्रकल्पांतर्गत शिरपूर, जिल्हा-धुळे या तालुक्यातील वनहक्क कायद्याद्वारे जिमनी प्राप्त असणाऱ्या ५० आदिवासी शेतकऱ्यांना १५ टक्के अनुदानावर प्रती शेतकरी ०.२० आर क्षेत्रावर शेडनेट उभारण्यासाठी अर्थसहाय्य देणे"ही योजना राबविण्यासाठी एकूण रु. ७७५.२० लक्ष किमतीच्या योजनेच्या अंमलबजावणीच्या मार्गदर्शक सूचनांना या निर्णयाद्वारे सोबत जोडलेल्या परिशिष्ट क्रमांक-१ नुसार मंजूरी प्रदान करण्यात येत आहे.

- २. सदर मार्गदर्शक सूचनांनुसार वितरीत तरतूदीच्या मर्यादेत योजना राबविण्याबाबत त्वरीत कार्यवाही आयुक्त आदिवासी विकास नाशिक यांनी करावी व त्याचे उपयोगिता प्रमाणपत्र आर्थिक व भौतिक अहवालासह शासनास सादर करण्याची दक्षता घ्यावी.
- ३. हा शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या www.maharashtra.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेताक २०२१०७०९१५१२५३५६२४ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करुन काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

(प्रकाश वि. वाजे) कार्यासन अधिकारी, महाराष्ट्र शासन

प्रत,

- १. मा.मंत्री आदिवासी विकास, महाराष्ट्र राज्य, यांचे खाजगी सचिव ,मंत्रालय,मुंबई
- २. मा.राज्यमंत्री आदिवासी विकास, महाराष्ट्र राज्य, यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय, मुंबई
- ३. सचिव, आदिवासी विकास विभाग यांचे स्वीय सहायक, मंत्रालय, मुंबई
- ४. सचिव(कृषि), कृषि व पदूम विभाग, मंत्रालय, मुंबई -३२
- ५. आयुक्त,आदिवासी विकास,महाराष्ट्र राज्य,नाशिक.
- ६. आयुक्त,कृषि,महाराष्ट्र राज्य, पूणे
- ७. सहसचिव/उपसचिव,आदिवासी विकास विभाग,मंत्रालय,मुंबई.
- ८. अपर आयुक्त, आदिवासी विकास नाशिक.
- ९. जिल्हा अधिक्षक कृषि अधिकारी, धुळे
- १०. प्रकल्प अधिकारी, एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प, धुळे.
- ११. निवड नस्ती (का.१९) आदिवासी विकास विभाग, मंत्रालय, मुंबई

परिशिष्ट -9 सन २०१६-१७ मधील विशेष केंद्रीय सहाय्य अंतर्गत मंजूर Integrated Agriculture Development Program for IFR beneficiaries योजना

| 9 | योजनेचे नाव | शिरपूर, जिल्हा-धुळे या तालुक्यातील वनहक्क कायद्याद्वारे जिमनी प्राप्त असणाऱ्या ५० | | | | | |
|---|---------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------|------------------------|----------------------|--|--|
| | | आदिवासी शेतकऱ्यांना ९५ टक्के अनुदानावर प्रती शेतकरी ०.२० आर क्षेत्रावर शेडनेट उभारण्यासाठी अर्थसहाय्य देणे | | | | | |
| २ | योजनेतील | उपलब्ध करावयाचा निधी रु. ७७५.२० लाख | | | | | |
| | लाभार्थी / | एकूण लाभार्थी लक्षांक- ५० | | | | | |
| | युनिट संख्या | | | | | | |
| 3 | योजनेसाठी | लाभार्थ्यांना लाभ देतांना एकात्मिक फलोत्पादन विकास अभियांतंर्गत सन २०२०-२१ | | | | | |
| ` | येणाऱ्या - | करीताच्या मार्गदर्शक सुचनांनुसार नमूद दराप्रमाणे खालील मर्यादेत अनुदान देय असेल - | | | | | |
| | खर्चाचे | रक्कम रुपये | | | | | |
| | सविस्तर | | VIII VIII | | | | |
| | अंदाजपत्रक | लाभार्थी | ९५ टक्के प्रमाणे महत्तम | ५ टक्के लाभार्थी | एकूण | | |
| | | | अनुदान | हिस्सा | -, | | |
| | | | | | | | |
| | | प्रति | 94,40,800 | ८१,६०० | 9६,३२,००० | | |
| | | लाभार्थी | | | | | |
| | | ५० लाभार्थी | ७,७५,२०,००० | ४०,८०,००० | ८,१६,००,००० | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| 8 | अंमलबजावणी | प्रकल्प अधिकारी, एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प, धुळे | | | | | |
| | अधिकारी | 7177C 1 5114 1717G, \4717C147 51114417U 14471U 14471U 1447U 1447U | | | | | |
| 4 | | | | | | | |
| | राबविणारी | जिल्हा अधिक्षक कृषि अधिकारी, धुळे | | | | | |
| | यंत्रणा | | | | | | |
| ξ | नियंत्रक | अप्पर आयुक्त, आदिवासी विकास, नाशिक | | | | | |
| | अधिकारी | _ | | | | | |
| 9 | योजनेचा हेतू | १. फलोत्पादन | १. फलोत्पादन क्षेत्रात संरक्षित शेती पध्दतीचा अवलंब करुन फुले व भाजीपाला पिकाचे | | | | |
| | / उद्देश | अधिक उत्पादन, उत्पादकता व उच्च दर्जाचे उत्पादन घेवून शेतक-यांच्या उत्पन्नात वाढ | | | | | |
| | | करणे. | | | | | |
| | | २. वन पट्टेधारक शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाच्या व उच्च प्रतिच्या निर्यातक्षम पिकांच्या लागवडी | | | | | |
| | | | साठी अर्थ साहाय्य करणे. | | | | |
| | | | | रील सतकांना कृषि थेटाच | क्रांगेत्मार स्टार्क | | |
| | | ३. वन पट्टेधारक आदिवासी ग्रामीण भागातील युवकांना कृषि क्षेत्रात स्वयंरोजगार उपलब्ध —— ১১ | | | | | |
| | | करून देणे. | | | | | |
| | | ४. फलोत्पादन क्षेत्रात बिगर हंगामी पिके घेण्यासाठी व उच्च तंत्रज्ञानाचा वापर | | | | | |
| | | करण्यासाठी वन पट्टेधारक आदिवासी शेतक-यांना प्रोत्साहन देणे. | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |

| 2 | योजना |
|---|-------------|
| | राबविण्याची |
| | कार्यपध्दती |

योजना अंमलबाजवणीच्या अनुषंगाने अपर आयुक्त आदिवासी विकास, नाशिक यांच्या स्तरावर खालिल प्रमाणे सनियंत्रण व मूल्यमापन समिती गठीत करण्यात येईल-

- अपर आयुक्त, आदिवासी विकास, नाशिक-
- २) प्रकल्प अधिकारी, एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प, धुळे सदस्य
- ३) जिल्हा अधिक्षक, कृषि अधिकारी, धुळे -सदस्य
- ४) नियोजन अधिकारी, अपर आयुक्त कार्यालय, नाशिक सदस्य सचिव
- (१) एकात्मिक फलोत्पादन अभियान अंतर्गत संरक्षित शेती या घटकावर राबविण्यात येणा-या योजनेत वन पट्टेधारक आदिवासी लाभार्थ्यांना आर्थिक भार भरणे शक्य नसल्याने त्या योजनेस ९५ टक्के विशेष केंद्रीय सहाय्य अनुदान व ५ टक्के लाभार्थी हिस्सा या स्वरुपात सदरची योजना जिल्हा अधिक्षक कृषि अधिकारी, धुळे यांच्या मार्फत राबवावयाची आहे.
- (२) सदर योजनेची अंमलबजावणी एकात्मिक फलोत्पादन अभियान अंतर्गत संरक्षित शेती घटकावरील मार्गदर्शक सूचना सन २०१९-२० नुसार करण्यात येईल.
- (३) योजना राबविताना काही तांत्रिक/प्रशासकीय अडचणी आल्यास लक्षांक बदलणे/कमी जास्त करणे/लक्षांक वर्ग करणे या बाबतचे सर्व अधिकार सनियंत्रण व मूल्यमापन समितीस राहतील.
- (४) जिल्हा अधिक्षक, कृषि अधिकारी, धुळे हे योजनेची वर्तमानपत्रात जाहिरात देऊन हिरपूर तालुक्याचील वनहक्क कायद्या अंतर्गत प्राप्त जिमनी असणारे पात्र आदिवासी लाभार्थी यांचे कडून mahadbtmahait.gov.in पोर्टलवर ऑनलॉईन अर्ज मागवतील.
- ७. जिल्हा अधिक्षक, कृषि अधिकारी, धुळे स्तरावर लाभार्थी निवडीचे निकष ठरविणे, एकूण प्राप्त अर्जांची छाननी करणे व लाभार्थी निवड करणे इत्यादी करीता खालीलप्रमाणे निवड समिती गठीत करण्यात येईल
 - १) जिल्हा अधिक्षक, कृषि अधिकारी, धृळे अध्यक्ष
- २) प्रकल्प अधिकारी, धुळे सदस्य
- ३) तंत्र अधिकारी, उप विभागिय कृषि अधिकारी कार्यालय सदस्य
- ४) तालुका कृषि अधिकारी, शिरपूर सदस्य
- ५) उप विभागिय कृषि अधिकारी सदस्य सचिव
- सदर समितीमार्फत लाभार्थ्यांना निधी वितरणाचे टप्पे निश्चित करण्यात येतील.
- समितीमार्फत निवड करण्यात आलेल्या पात्र लाभार्थी यांना कृषि विभागा मार्फत प्रशिक्षण देण्यात येईल.
- सदर शेड नेट उभारणी सुरु करण्यापूर्वी व काम सुरु असतांना मंडळ कृषि अधिकारी व काम पूर्ण झाल्यानंतर तालुका कृषि अधिकारी प्रत्यक्ष स्थळ भेट देऊन आवश्यक बाबींची तपासणी करतील.
- जिल्हा अधिक्षक कृषि अधिकारी यांनी योजना पूर्ण केल्या नंतर योजनेचे उपयोगिता प्रमाणपत्र व फलनिष्पत्ती अहवाल प्रकल्प अधिकारी, एकात्मिक आदिवासी विकास प्रकल्प धुळे यांच्या मार्फत आयुक्त आदिवासी विकास, नाशिक यांना सादर करावे. प्रकल्पाची छायाचित्रांसह यशोगाथा तयार करणे तसेच योजने विषयी सर्व माहिती उदा. लाभार्थी

शासन निर्णय क्रमांकः केंद्रीय-२०२१/प्र.क्र. ५३/का-१९

| | | यादी, योजना अंमलबजावणीचे फोटो, यशोगाथा, लाभार्थी माहितीचा डेटाबेस इत्यादि |
|----|----------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| | | अभिलेखात जतन करण्यात यावे. |
| 9 | निधी वितरण | एकूण मंजूर निधी - रु. ७७५.२० लक्ष |
| | कार्यपद्धती कार्यपद्धती | आयुक्त, आदिवासी विकास, नाशिक हे प्रकल्प अधिकारी, एकात्मिक आदिवासी प्रकल्प, धुळे यांना निधी वितरित करतील प्रकल्प कार्यालयाकडून लाभार्थी संख्या व कृषि विभागाच्या मागणी प्रमाणे २ टप्प्यात निधी कृषि विभागास वितरित करण्यात येईल. १)पहीला टप्पा-लाभार्थी निवडी नंतर कृषि विभागाच्या मागणीनुसार ८० टक्के निधी वर्ग करण्यात यावा. २) टप्पा -२ प्रकल्पाची यशोगाथा सादर केल्यानंतर उर्वरित २० टक्के निधी कृषि विभागास वर्ग करण्यात येईल. |
| 90 | योजनेचा कालावधी | शासन निर्णय निर्गमित झाल्यापासून १ वर्ष |
| 99 | योजनेच्या अटी व शर्थी | 9) अर्जदाराकडे अनुसूचित जमातीचे सक्षम प्राधिका-याचे जातीचे प्रमाणपत्र असावे. २) अर्जदार वनपट्टा धारक असावा. ३) अर्जदाराकडे सिंचन सुविधा असणे आवश्यक आहे. ४) सदर योजनेचा लाभ यापूर्वी आदिवासी विकास विभाग अथवा इतर कोणत्याही शासिकय विभागाकडून घेतला नसल्याबाबत दाखला लाभार्थी यांनी जोडणे आवश्यक आहे. जिल्हा अधिक्षक कृषि अधिकारी हे लाभार्थ्यांना शेडनेट उभारणी design व त्याबाबत लागणारी आवश्यक तांत्रिक मदत करतील. जिल्हा अधिक्षक कृषि अधिकारी हे योजना अंमलबजावणीचा मासिक भौतिक व आर्थिक प्रगती अहवाल प्रकल्प अधिकारी यांना पाठवतील. योजना राबविण्याची प्रक्रिया सुरु झाल्यापासून योजना राबवून पुर्ण होई पर्यतचे फोटोग्राफ,सी.डी.,लाभार्थ्यांचे मनोगत इ. आवश्यक त्या कागदपत्रांसह योजना राबविल्याबाबतचे संपूर्ण तपशिल प्रकल्प कार्यालयास वेळोवेळी सादर करणे तसेच शेडनेट गृहांचे Geo-Tagging करणे योजना राबविणाऱ्या यंत्रणेस बंधनकारक राहील |
| 92 | योजनेचे सनियंत्रण व मुल्यमापन, पर्यवेक्षण | सदर योजनेचे सनियंत्रण व मुल्यमापन हे उपरोक्त नमूद सनियंत्रण व मुल्यमापन समिती मार्फत करण्यात येईल १) योजनेची अंमलबजावणी सुरु झाल्यानंतर दर ३ महीन्यांनी सदर समितीची बैठक आयोजित करावी. २) योजनेच्या अंमलबजावणीत काही बदल, सुधारणा करण्याचे तसेच अडचणी उद्भवल्यास त्याबाबत आवश्यक ते निर्णय घेण्याचे अधिकार उपरोक्त समितीस असतील. |
| 93 | योजनेची फलनिष्पत्ती | वनहक्क कायद्या अंतर्गत जिमनी प्राप्त असणाऱ्या ५० आदिवासी लाभार्थींचे संरक्षित शेतीच्या माध्यमातून भाजीपाला पिकांच्या उत्पादनाद्वारे आर्थिक स्थिरीकरण होईल व त्यांचे होणारे स्थलांतराचे प्रमाण काही अंशी कमी होऊन त्यांचे जीवनमान उंचावेल. |